

TS. 4, 3, 44, 3. न सेना शत्रुविषक्ते युधि Spr. (II) 3632. MBu. 3, 17319. य एनं विषक्तेयुधि 3, 2021. विषक्तापि परस्परम् 12, 2546. नान्यस्त्वा विषक्तेयुधि Hariv. 10361. यथेनं न जरात्तको । विषक्तेयुधामयो लुत्तिपासे u. s. w. MBu. 5, 1576. — 2) vermögen, mit infin. MBu. 5, 36. R. 4, 54, 9 (act.). — 3) Etwas ertragen, aushalten, überwinden, einer Widerwärtigkeit widerstehen, — nicht unterliegen MBu. 2, 2572 (richtig विषक्ते ed. Bomb., विसक्ते ed. Calc.). बाणवर्ष तुमुलम् 3, 671. 17319. वेगम् 9, 1685. Ragh. 3, 63 (विसोढम् zu lesen). 4, 41. 49. 8, 56. 14, 87. Spr. (II) 2033 (pass.). KATHA. 15, 82. 29, 196. 51, 201 (pass.). 52, 243. 55, 161. 95, 26. Bhāg. P. 7, 9, 45. Bhāṭṭ. 9, 73. act. MBu. 1, 8168. 2, 552. Hariv. 5265. 6530. R. 2, 61, 4. — 4) Etwas ertragen, leiden: किमिह विषक्तामि विरहानलमचेतना Glt. 7, 5. geduldig ertragen, sich Etwas gefallen lassen: न चेमा धर्षणा रामो व्यसहिष्यदर्षणः R. Gorr. 2, 62, 28. विप्रासु को न विषक्ते Bhāg. P. 3, 16, 9. न जीवितुं वा विषक्ते ich kann es nicht duldend, dass du lebst, R. 2, 12, 106. — Vgl. दुर्विषक् und विषक्. — caus. aor. व्यसिषक्त् P. 8, 3, 116. Vop. 18, 1, v. l. (fälschlich व्यसिषक्त्). — insens. s. विषासहि.

— सम् 1) es mit Jmd aufnehmen können, mit Jmd fertig werden: धनं जयं संगुणे संसहिष्ये MBu. 8, 1984. 1977. — 2) Etwas aushalten, überwinden, einer Widerwärtigkeit widerstehen, — nicht unterliegen: शराणां स्पर्शम् MBu. 3, 1850. वेगम् 5, 55. 7, 332. R. Gorr. 2, 39, 33. दुःखम् 30, 23. Spr. (II) 7175.

2. सक्, साक् (= 1. सक्) adj. am Ende eines comp. bewältigend, tragend, aushaltend, mächtig einer Sache. Ueber die Dehnung des Vocals in सक् und am Ende des vorangehenden Wortes, über die Wandlung des स in ष und über Avagraha s. RV. Prāt. 9, 1. 15. 16. 27. VS. Prāt. 3, 121. 5, 30. AV. Prāt. 2, 82. 92. 3, 1. 4, 70. P. 3, 2, 63. 6, 3, 116. 8, 3, 56. Vop. 3, 34. सासाराष्ट्र Bhāg. P. 4, 23, 6. 11, 18, 4. किमवाव्यमिष्वर्षाकातपषाड् 7, 12, 20. Vgl. अभिमाति°, कृता°, कृती°, कृषि°, चर्षणी°, जना°, जला°, सुरा°, युष्मा°, धन्वा°, धूर्षक्, नृ°, पुरा°, पृत्ता°, प्राप्ता°, भूरि°, यज्ञा°, रथा°, रयि°, वने°, विन्वा°, विरा°, विष्ठा°, वृथा°, शत्रू°, शुचि°, सत्य°, सत्रा°, सदा°, सु° und साक्.

3. सक्, सैक्यति Dnītop. 26, 20 (चकथ्ये = तृप्तिः nach Andern शक्ती). Vgl. मुक्.

1. सक् (von 2. स) indecl. Çāt. 4, 13. gaṇa चादि zu P. 1, 4, 57. = सम्, साकम् u. s. w. AK. 3, 5, 4. H. 1527. Halā. 5, 91. 99. संबन्धे, सादृश्ये, योगपथे, समृद्धि, साकल्ये und विद्यमाने H. an. 7, 53. Med. avj. 90. fg. सामर्थ्ये Çabdār. im ÇKDr. 1) adv. gemeinsam, zusammen, zugleich: मद्यो मदेम सक् नू संमानाः RV. 3, 58, 6. 6, 60, 13. स्याम मरुतः सक् 5, 53, 14. सक् चित्तमेषाम् 10, 191, 3. तस्मिन्देवाः सक् दैवीर्विशन्तु (देवीः) AV. 12, 3, 32. 39. 6, 59, 2. मन् इवो सक्सांसि 7, 36, 1. 3, 30, 6. VS. 20, 25. 36, 1. Çat. Bā. 1, 1, 2, 18. 4, 6, 8, 13. 11, 5, 2, 7. 12, 3, 2, 14. एता देवताः सक् यजति 9, 2, 12. 14, 7, 2, 30. 9, 2, 19. TS. 7, 4, 40, 1. TBr. 1, 1, 2, 2, 1, 2. सक् नावथोऽज्याव Ait. Bā. 2, 25. नैकस्ये बहवः सक् पतयः 3, 23. 5, 15. Kāt. Çā. 5, 9, 8. नाना नाना सक् सक् Çāṅk. Çā. 16, 7, 9. Åçv. Gṛh. 1, 6, 3. यस्तद्देभ्यं सक् Içop. 11. Taitt. Up. 1, 3, 1. 13, 1. 2, 1, 1. 3, 1, 1. स्वयं वै तेषां सक् येषां सक् er selbst gehört mit zu denen, welchen es gemeinsam ist, Çat. Bā. 2, 4, 2, 19. अभवन्मिथुनं वष्टुः सरण्युः त्रिशिराः सक् so VII. Theil.

v. a. und Bhāṣadd. in Z. f. vgl. Spr. 1, 442. — चरतो धर्मं सक् Jāṭṭ. 1, 60. M. 3, 30. 86. 7, 206. 214. एवं सक् वसेयुर्वा पृथग्वा 9, 111. 210. 215. 12. 19. MBu. 1, 7764. करिष्ये मरणं सक् 8371. 3, 58. Hariv. 6732. R. 1, 46, 14. 2, 106, 24. R. Gorr. 2, 113, 26. Spr. (II) 2649, v. l. सक्वैव मृत्युर्न जति सक् मृत्युर्निषीदति 6979. AK. 3, 1, 34. परा लक्ष्मीं पत्नीञ्च सक् लेभिरे KATHA. 3, 36. 12, 30. 47, 81. 61, 77. 101, 296. मय्यात्मानं सक् (so ist zu trennen) जगद्भ्यसि dich selbst und zugleich die Welt Bhāg. P. 3, 21, 31. 4, 23, 57. Vet. in LA. (III) 15, 7. न च तां सक् जयाह nahm sie nicht mit KATHA. 13, 88. दा mitgeben 101, 138. द्यादा mitnehmen 16, 26. कर् द्याः द्यापौ सक् कृत्वा तां प्रतीकारपुलिन्दकौ so v. a. in der Begleitung von 14, 22. 60, 243. सक् गच्छति गच्छन्तम् sie folgen ihm nach, wenn er geht. R. 4, 8, 26. — 2) praep. a) mit, sammt, nebst, zugleich mit: a) mit instr. (vor- oder nachstehend, nicht selten weit getrennt) P. 3, 3, 19 (अप्रधाने). Vop. 5, 10. RV. 1, 23, 17. 24. सक् वामन् व्युच्छ 48, 1. 50, 13. 5, 53, 2. 6, 28, 3. सूर्यं ज्योतिषा सक् 72, 2. 7, 83, 6. 8, 63, 10. 10, 107, 2. VS. 11, 15. AV. 1, 1, 2. 2, 36, 1. 3, 12, 9. Çat. Bā. 1, 8, 4, 19. Kāt. Çā. 4, 2, 42. 12, 6, 3. 16, 7, 9. Åçv. Gṛh. 1, 11, 13. 17, 11. 3, 9, 1. M. 1, 18. नासीत गुरुणा सक् 2, 203. न शयीत तया सक् 4, 40. विहरेच्चैव स्त्रीभिरतःपुरे सक् 7, 221. 9, 258. राष्ट्रिकैः सक् तद्वाष्ट्रं तिप्रमेव विनश्यति 10, 61. MBu. 3. 1736. 2188. 2236. 2264. 4, 1762. 3, 6067. 14, 810. R. 1, 1, 44. 8, 8, 9, 70. Sāmukh. 39. 49. Ragh. 3, 19. 61. Çāk. 18, 21. 23, 2. 27, 15. 106, 8. जीवितं च शरीरेण जात्यैव सक् जायते Spr. (II) 2434. 7356. सक् दीर्घा मम शसिरिमाः संप्रति रात्रयः पाण्डुराश्च ममेवाङ्गैः सक् ताश्चन्द्रभूषणाः || die Nächte sowohl als meine Seufzer 6969. नत्तत्रेण सहोदयमुपगच्छति येन Varāh. Brh. S. 8, 1. KATHA. 40, 73. Bhāg. P. 5, 16, 1. वसतस्तत्र रामस्य वने वनचरैः सक् R. 1, 1, 42. तथा प्रवर्त्यतां यज्ञो भवद्भिश्च मया सक् 60, 8. अथय्यैः सक् संभुक्ते ऽन्नसे 2, 64, 57. भोजयेत्सक् भूयैस्तौ M. 3, 112. fg. 7, 203. अन्धो मत्स्यानिवाभाति स नरः काण्टकैः सक् 8, 95. 391. 10, 86. MBu. 3, 2945. R. 1, 60, 16. 2, 64, 27. Çāk. 30, 10. Varāh. Brh. S. 4, 24. 9, 43. KATHA. 18, 123. 244. 386. — अथो वशीनां भवथा सक् श्रिया RV. 3, 60, 4. न ह्यनमाचरेत् — वल्लैः सक् Spr. (II) 3501. द्या-गम् zusammenkommen mit MBu. 3, 2688. Weber. Rīmāt. Up. 299. (यः) वृषत्या सक् मोदते M. 3, 191. मन्वयेत्सक् मन्त्रिभिः 7, 146. पतितेन सक्चारन् 11, 180. एनस्विभिरनिर्णिक्तैर्नार्थं कंचित् (so lesen wir) सक्चारन् 189. सुदेवेन सक्काते कथयन्तीम् MBu. 3, 2687. सक् परिचयो क्त रुषिणीः Spr. (II) 7228. द्या-ह्यया गुप्तया सक्। विप्रुतो (तो) M. 8, 377. विभजेत स तैः सक् 9, 216. विवादं कर् 4, 139. विवादः सदृशैः सक् 10, 53. तामिर्न कुर्यात्सक् काम-धर्मम् Varāh. Brh. S. 78, 18. मृद्गारं विधा Vet. in LA. (III) 8, 18. साधारणो धर्मः पत्न्या सक् M. 9, 96. साम्यमेतेषां मया सक् Hir. I, 39. पूर्वसूत्रेण सक् विषयविभागा यथा स्यात् Verschiedenheit von P. 6, 2, 80. Schol. in Verbindungen, wo die Gemeinsamkeit schon durch सम् ausgedrückt ist: सं जायया सक् पुत्रैः स्याम AV. 12, 3, 17. अथ पृक्तेन सक् सं भवेम 5, 119. 2. 12, 3, 10. सक् संमह्य मन्त्रिभिः M. 7, 216. सम्-गम् 8, 378. MBu. 3, 2994. 3006. संगमं कर् Vet. in LA. (III) 9, 15. संवास M. 8, 378. संभाषणा 360. संसर्ग 11, 54. संबन्धाना-चर् 2, 40. 4, 244. — β) mit abl.: ऐश्वर्यात्सक् संबन्धं न कुर्यात् Spr. (II) 1488. — δ) abgeschwächt für den einfachen instr. (wie deutsch mit): पर्यसा सक् प्रुन्धत RV. 10, 17, 14. दिव्यस्त्वा मा धाग्विद्युता सक् AV. 8, 1, 11. 12, 1, 59. 13, 30, 5. कः शक्ता वज्रेणापि स-